पी.जी.डी.टी.-2

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2008

पी.जी.डी.टी.-2 : अनुवाद का भाषिक और सामाजिक पक्ष

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

भाग I

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।* *20×3=60*

1. वाक्य-रचना में पद-क्रम का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए ।

2. शब्द-रचना के विविध उपादानों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

3. शिक्षा-माध्यम के महत्त्व को स्पष्ट करते हुए शिक्षा-माध्यम और अनुवाद के सम्बन्ध की समीक्षा कीजिए ।

4. बहुभाषिक समाज में अनुवाद के विविध क्षेत्रों पर प्रकाश डालिए ।

5. राजभाषा से आप क्या समझते हैं ? क्या भारतीय संविधान में राजभाषा के सम्बन्ध में कोई व्यवस्था की गई है ? इस क्षेत्र में अनुवाद सम्बन्धी रोज़गार की स्थिति पर प्रकाश डालिए ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भाषा का सामाजिक संदर्भ

(ख) हिन्दी वर्तनी का मानकीकरण

(ग) भाषा-शिक्षण का महत्त्व

(घ) व्याकरण में काल का अर्थ एवं परिभाषा

भाग II

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

7. हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 20

The women who are engaged in informal sector contribute more than 90 percent towards the total output. These women need special attention with regard to improved working conditions, minimum wages, sufficient leave etc. The benefits of training in agriculture and its allied activities of horticulture, animal husbandry, poultry farming and fisheries must reach the women in proportion to their number. The State should ensure that employers fulfil their obligations towards women workers by extending child care facilities to them, protecting them from occupational hazards, and providing them special leave, maternity benefits and legal aid. Those who have been displaced from traditional sectors due to advancement of technology need special attention, training, upgradation of skills, expanded area of employment, formation of appropriate policies and progress. This will enable them to get employment in the areas of khadi and village industries, handicraft, handloom, sericulture (रेशम-उत्पादन) and small-scale industries.

8. अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए : *10*

इन्टरनेट एक विशेष प्रकार की प्रणाली है जो सूचना के संचार के लिए बनाई गई है । इसके अंतर्गत विश्व में अलग-अलग स्थानों पर स्थित अनेक कम्प्यूटरों को एक नेटवर्किंग के द्वारा जोड़ा जाता है । नेटवर्किंग शब्द 'नेट' अर्थात् जाल से बना है जिसका अर्थ है — दो या दो से अधिक वस्तुओं को किसी भी माध्यम से जोड़ना । कम्प्यूटर के संदर्भ में नेटवर्किंग का सीधा-सा अर्थ है दो या दो से अधिक कम्प्यूटरों को एक माध्यम से जोड़ना । नेटवर्किंग के अंतर्गत सभी कम्प्यूटर एक 'सर्वर' अर्थात् प्रधान कम्प्यूटर के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ते हैं । इंटरनेट नेटवर्कों का नेटवर्क है । इसके द्वारा भौगोलिक दृष्टि से अलग-अलग स्थानों पर स्थित इंटरनेट से जुड़े लाखों-करोड़ों कम्प्यूटरों से क्षण-भर में संपर्क स्थापित हो जाता है । इन्टरनेट का इस्तेमाल करने के लिए आवश्यकता है केवल एक कम्प्यूटर और टेलीफोन की ताकि इंटरनेट कनेक्शन लिया जा सके और सूचनाओं के विश्वव्यापी जाल से जुड़कर अपेक्षित सूचना प्राप्त की जा सके ।

9. निम्नलिखित प्रश्न-पत्र का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 10

POST GRADUATE DIPLOMA IN DISASTER MANAGEMENT

Term-End Examination

December, 2006

MPA-007 : REHABILITATION, RECONSTRUCTION, RECOVERY (समुत्थान)

Time : 2 hours *Maximum Marks : 50*

Note : *Attempt any **four** questions in 400 words each from the following questions given in Section I.*

SECTION I

1. Explain the relationship between disasters and development. Also bring out the role of reconstruction and rehabilitation in development.

2. Discuss the role of various governmental and non-governmental agencies in disaster management and development.

3. "Remote Sensing and Earth Observation Programmes (दूर-संवेदन और भू-प्रेक्षण कार्यक्रम) are effective communication systems for information management." Discuss.

4. Write a note on disaster preparedness in Asia.

5. Write short notes on each of the following in 200 words each :

   (a) A case study of Malpa Landslide

   (b) Standardisation of Relief Response by various agencies